३. सच हम नहीं; सच तुम नहीं

– डॉ. जगदीश गुप्त

कवि परिचय : डॉ. जगदीश गुप्त जी का जन्म १९२४ को उत्तर प्रदेश के शाहाबाद में हुआ । प्रयोगवाद के पश्चात जिस 'नयी कविता' का प्रारंभ हुआ; उसके प्रवर्तकों में आपका नाम प्रमुख रूप से लिया जाता है । नया कथ्य, नया भाव पक्ष और नये कलेवर की कलात्मक अभिव्यक्ति आपके साहित्य की विशेषताएँ रही हैं । अनेक धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों और चरित्रों को नये संदर्भ देने का महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कार्य आपने किया है । 'नयी कविता' की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए आपने इसी नाम की पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया । आपका निधन २००१ में हुआ ।

प्रमुख कृतियाँ : 'नाव के पाँव', 'शब्द दंश', 'हिम विद्ध', 'गोपा-गौतम' (काव्य संग्रह), 'शंबूक' (खंडकाव्य), 'भारतीय कला के पद चिह्न', 'नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ', 'केशवदास' (आलोचना), 'नयी कविता' (पत्रिका) आदि ।

विधा परिचय : प्रयोगवाद के बाद हिंदी कविता की जो नवीन धारा विकसित हुई वह 'नयी कविता' है । नये भावबोधों की अभिव्यक्ति के साथ नये मूल्यों और नये शिल्प विधान का अन्वेषण नयी कविता की विशेषताएँ हैं । नयी कविता का प्रारंभ डॉ. जगदीश गुप्त, रामस्वरूप चतुर्वेदी और विजयदेव साही के संपादन में प्रकाशित 'नयी कविता' पत्रिका से माना जाता है ।

पाठ परिचय : प्रस्तुत नयी कविता में कवि संघर्ष को ही जीवन की सच्चाई मानते हैं । सच्चा मनुष्य वही है जो कठिनाइयों से घबराकर, मुसीबतों से डरकर न कभी झुके, न रुके, परिस्थितियों से हार न माने । राह में चाहे फूल मिलें या शूल, वह चलता रहे क्योंकि जिंदगी सहज चलने का नाम नहीं बल्कि लीक से हटकर चलने का नाम है । हमें अपनी क्षमताएँ स्वयं ही पहचाननी होंगी । राह से भटककर भी मंजिल अवश्य मिलेगी। भीतर-बाहर से एक-सा रहना ही आदर्श है । हमें अपने दुखों को पहचानना होगा, अपने आँसू स्वयं पोंछने होंगे तथा स्वयं योद्धा बनना होगा । जीवन संघर्ष की यही कहानी है ।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।
सच है सतत संघर्ष ही ।
संघर्ष से हटकर जीए तो क्या जीए, हम या कि तुम ।
जो नत हुआ, वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम ।
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे ।
जो है जहाँ चुपचाप, अपने-आपसे लड़ता रहे ।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें,
टूटे नहीं इनसान, बस ! संदेश यौवन का यही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

हमने रचा, आओ ! हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को ।
यह क्या मिलन, मिलना वही, जो मोड़ दे मँझधार को ।
जो साथ फूलों के चले,
जो ढाल पाते ही ढले,
यह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

अपने हृदय का सत्य, अपने-आप हमको खोजना ।
अपने नयन का नीर, अपने-आप हमको पोंछना ।
आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं !
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

बेकार है मुस्कान से ढकना हृदय की खिन्नता ।
आदर्श हो सकती नहीं, तन और मन की भिन्नता ।
जब तक बँधी है चेतना
जब तक प्रणय दुख से घना
तब तक न मानूँगा कभी, इस राह को ही मैं सही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

– ('नाव के पाँव' कविता संग्रह से)

— o —

शब्दार्थ

नत = झुका हुआ
जड़ता = अचलता, ठहराव
पसीजना = मन में दया भाव आना
वृंत = डंठल
मँझधार = नदी की बीच की धारा
चेतना = जागृत अवस्था

स्वाध्याय

आकलन

१. (अ) कविता की पंक्ति पूर्ण कीजिए :

(१) बेकार है मुस्कान से ढकना, ...

(२) आदर्श नहीं हो सकती, ...

(३) अपने हृदय का सत्य, ...

(४) अपने नयन का नीर, ...

(आ) लिखिए :

(१) जीवन यही है – .....

(२) मिलना वही है – .....

शब्द संपदा

२. प्रत्येक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(अ) पंथ –

(आ) काँटा –

(इ) फूल –

(ई) नीर –

(उ) नयन –

अभिव्यक्ति

३. (अ) 'जीवन निरंतर चलते रहने का नाम है', इस विचार की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(आ) 'संघर्ष करने वाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है', इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

रसास्वादन

४. 'आँसुओं को पोंछकर अपनी क्षमताओं को पहचानना ही जीवन है', इस सच्चाई को समझाते हुए कविता का रसास्वादन कीजिए ।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

५. जानकारी दीजिए :

(अ) 'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम –

(आ) कवि डॉ. जगदीश गुप्त की प्रमुख साहित्यिक कृतियों के नाम –

६. निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों का लिंग परिवर्तन कर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) बहुत चेष्टा करने पर भी हरिण न आया ।

.....

(२) सिद्धहस्त लेखिका बनना ही उसका एकमात्र सपना था ।

.....

(३) तुम एक समझदार लड़की हो ।

.....

(४) मैं पहली बार वृद्धाश्रम में मौसी से मिलने आया था ।

.....

(५) तुम्हारे जैसा पुत्र भगवान सब को दें ।

.....

(६) साधु की विद्वत्ता की धाक दूर-दूर तक फैल गई थी ।

.....

(७) बूढ़े मर गए ।

.....

(८) वह एक दस वर्ष का बच्चा छोड़ा गया ।

.....

(९) तुम्हारा मौसेरा भाई माफी माँगने पहुँचा था ।

.....

(१०) एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो ।

.....